Treacherously : (1) निकृत्या (=wickedly), M.p. 15. 41. ; (2) शाठ्येन (=deceitfully : q.v.).

Treacherousness, treachery : (1) विश्वासभङ्गः ; (2) विश्रम्भघातः ; etc.

Treacle : (1) गुडः (=molasses) ; (2) गुडोच्छिष्टम् (the refuse).

Tread (v.) : क्षुणत्ति (क्षुद्, c. 7.), *momentarily trodden by the Jādava's forces* : क्षुण्णः क्षणं यदुबलैः, Si. v. 11. ; *were trodden upon by chariots* : चुक्षुदिरे रथौघैः, Si. iii. 27. ; *from the trodden path* : क्षुण्णाद्वर्त्मनः, R. i. 17. : v. Also to press, put.

Tread : (1) पादन्यासः ; (2) चरणपातः ; etc.

Treason : (1) राजद्रोहः ; (2) राजाभिद्रोहः, and sim. comp.s.

Treasonable, treasonous : (1) by comp.s. ; (2) राजद्रोहिन् (f. णी) ; etc.

Treasure (v.) : संचिनोति (चि, c. 5.) : v. To store.

Treasure (subs.) : I. Lit. : (1) कोशः(षः), *t. is the life of those who possess it* : कोषः कोषवतां प्राणः, H. ii. 92. ; (2) धनम् (=money ; riches). II. Fig. : (1) रत्नम् ; (2) धनम् ; (3) भाण्डम्, *t. of a son* : पुत्रभाण्डम्, Vi, B. r.

Treasurer : (1) कोषाध्यक्षः ; (2) कोशाधीशः, Vi. vi. 1. ; and sim. comp.s.

Treasurership : (1) कोशाध्यक्षता and sim. comp.s ; (2) अर्थाधिकारः, H. ii.

Treasure-trove : (1) निधिः, *like a poor man getting t.* : निधिं लब्ध्वेव निर्धनः, S.p. ; (2) निखातं धनम् and sim. comp.s.

Treasury : (1) कोशः(षः) : *should send the second half to the t.* : द्वितीयमर्धं कोशे निवेशयेत्, V.s. ; (2) कोशगृहम् and sim. comp.s, R. v. 29. ; (3) भाण्डागारम् (=store-house), Y. i. 320. ; (4) भाण्डारम् (=3), *employees in t.* : भाण्डारिकाः, M.n. on R. v. 29.

Treat (v.t.) : I. To behave, act : q.v. : आचरति, सम्- (चर्, c. 1.), *should t. (grown up) sons like friends* : पुत्रं मित्रवदाचरेत्, J. Ph. : *to t. with respect* : v. To respect ; *to t. with contumely* : v. To despise. II. To describe : q.v. : वर्णयति (वर्ण्, c. 10.). III. To satiate : q.v. : तर्पयति, सं- (c. of तृप्). IV. Medically : (1) चिकित्सति (कित्, c. 1.), Sr. ; (2) उप-चरति, उपा-, (चर्, c. 1.), *should t. him with febrifuges* : तं ज्वरघ्नैः समुपाचरेत्, Sr. ; (3) उपक्रामति (क्रम्, c. 1.) (rare), *having t.ed me with gesticulations, charms, prayers, meditations etc.* : मां मुद्रातन्त्रमन्त्रध्यानादिभिरुपक्रम्य, D. ii. *T. with* : i.e. negotiate : सं-दधाति *or* -धत्ते (धा, c. 3.).

Treat (subs.) : *to give a grand or rich t. to* : भोजनविशेषैः सन्तर्पयति.

Treatise : (1) प्रबन्धः ; (2) ग्रन्थः (= book).

Treatment : I. Behaviour, conduct : (1) आचरणम् ; (2) व्यवहारः ; (3) वृत्तिः. II. Medical t. ; (1) चिकित्सा ; (2) उपचारः ; (3) उपक्रमः (rare). III. Description : q.v. : वर्णना.

Treaty : I. Negotiation : सन्धानम् *or* सन्धिः. II. Agreement, condition : पत्रम्, *t. of peace* : सन्धिपत्रम् ; *t. of marriage* : विवाहपत्रम्.

Treble : I. Lit. : त्रिगुण (f. णा). II. In music : तार (f. रा). III. Verb : त्रिगुणीकरोति *or* त्रिगुणयति.

Trebly : (1) त्रेधा *or* त्रिधा ; (2) त्रिगुणम् (=threefold).

Tree : (1) वृक्षः, *t.-planter* : वृक्षरोपयिता, He. ; (2) तरुः, *who wear bark of t.s* : तरुवल्कवासस् (mfn.), R. viii. 11. ; (2) द्रुमः, *full of t.s* : द्रुमवत् (f. ती), R. ix. 26. ; (4) पादपः, *a t. with thick shade* : घनच्छायः पादपः, He. ; (5) वनस्पतिः (=large t.), *made of five t.s* : पञ्चवनस्पतिरचितः, V. m. 79. 39. ; (6) महीरुहः ; (7) शाखिन् (m.) ; (8) द्रुः ; (9) अनोकहः ; (10) वनराजिः.

Trefoil : (1) त्रिपर्णः (?) ; (2) त्रिदलः ; (3) त्रिपत्रः (?).

Trellis : v. Lattice.

Tremble : (1) वेपते, प्र- (वेप्, c. 1.), *t.ing mother* : वेपमानजननी, R. xi. 65. ; (2) कम्पते, प्र- (कम्प्, c. 1.), *he made the kings t.* : नृपगणमसावकम्पयत्, Si. xv. 3.

Trembling (subs.) : कम्पः : v. Tremor.

Tremendous : घोर (f. रा) : v. Immense, huge, terrible.